
RIICO
GROW WITH RAJASTHAN
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER
ARJUN BATCH
कक्षा-12
इतिहास
अध्याय-1 | भाग-8
ईंट मनके तथा अस्थियां
हड़प्पा सभ्यता-एकदम BASIC से!

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

आज क्या पढेंगे ?



1. एक नवीन प्राचीन सभ्यता
2. नयी तकनीकें तथा प्रश्न
3. अतीत को जोड़कर पूरा करने की समस्याएं

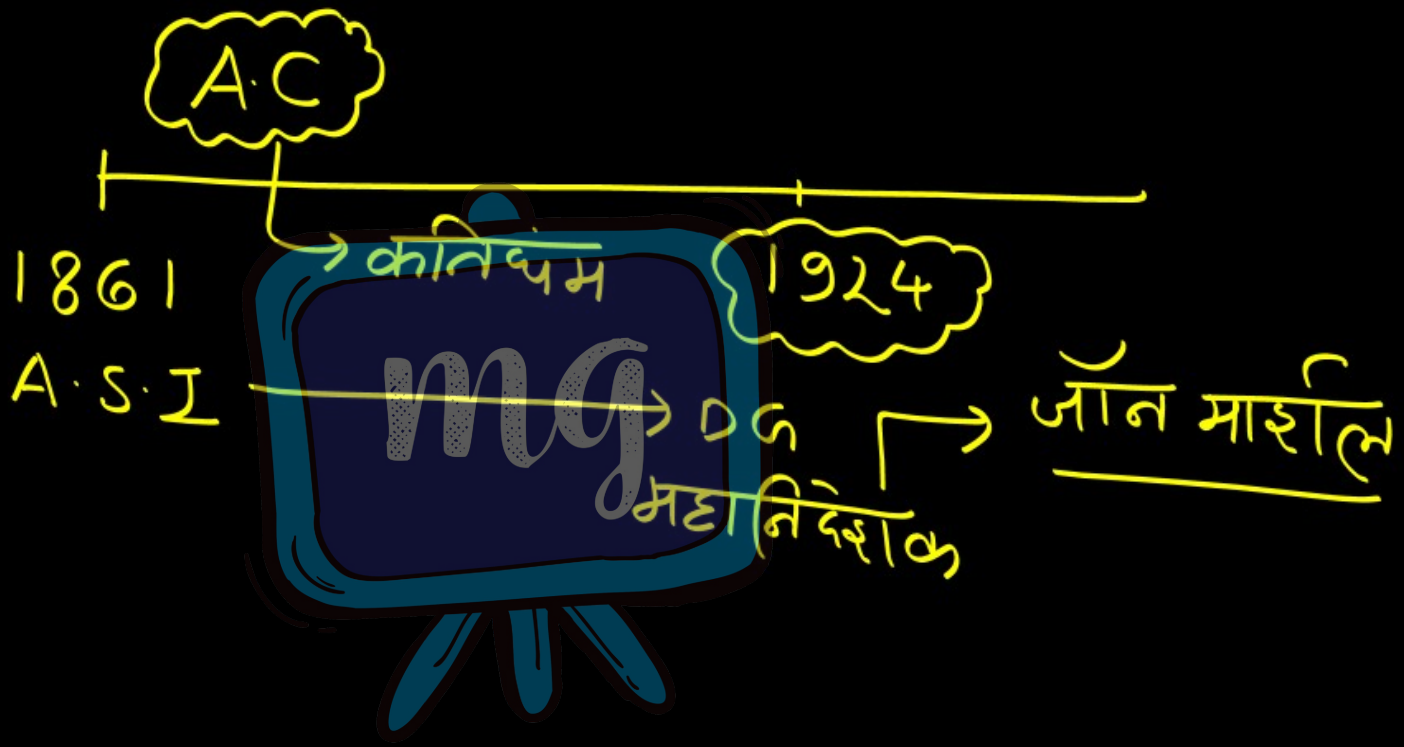
A.C
1861
कानिंघम
1924
A.S.I
महानिदेशक
जॉन मार्शल

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

जॉन मार्शल

- दयाराम साहनी → हड़प्पा
- आर. डी बनर्जी → मोहनजोदड़ो

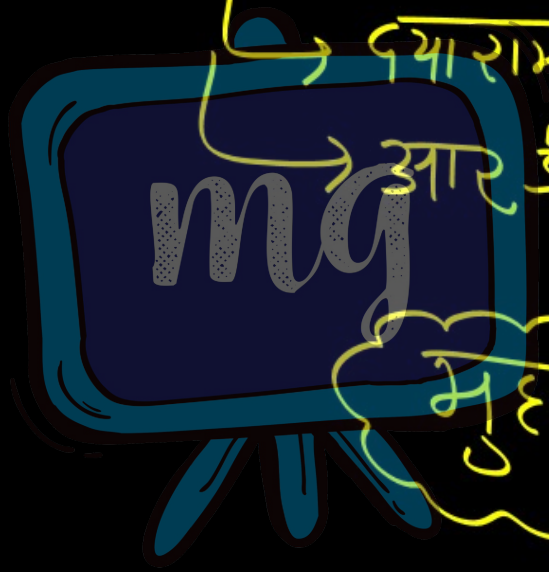

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

जॉन मार्शल

योगदान

- मोसोपोटामिया।
- ५००० साल.
- यूनान अनुभव
- दैनिक जीवन
- उत्खनन



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

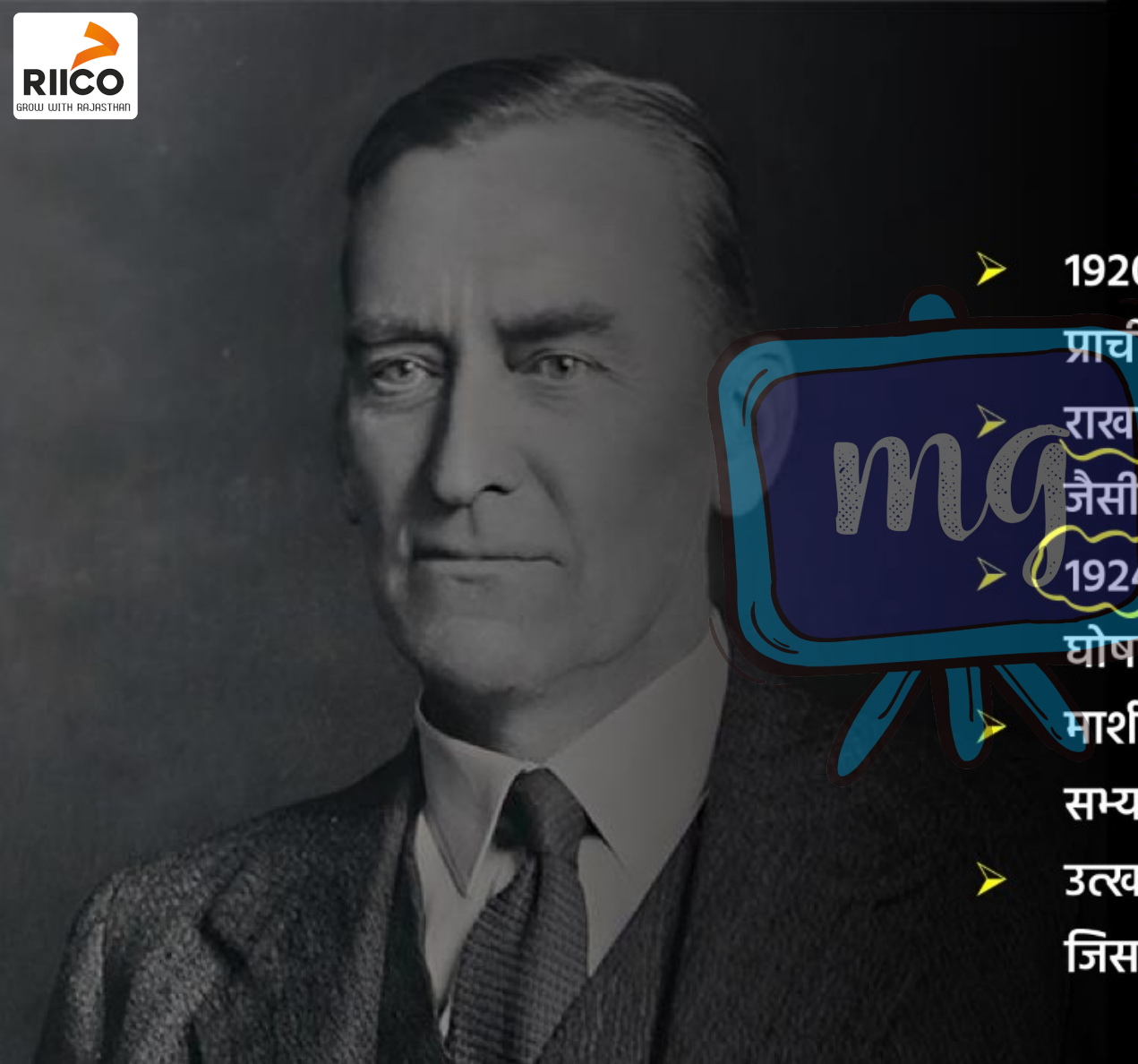

एक नवीन प्राचीन सभ्यता

- 1920 के दशक में दयाराम साहनी ने हड़प्पा में प्राचीन मुहरें खोजीं।
- राखालदास बनर्जी ने मोहनजोदड़ो से हड़प्पा जैसी मुहरें खोजीं।
- 1924 में जॉन मार्शल ने सिंधु घाटी सभ्यता की घोषणा की।
- मार्शल ने मेसोपोटामिया के समकालीन सभ्यता की जानकारी दी।
- उत्खनन में क्षैतिज इकाइयों का प्रयोग किया, जिससे जानकारी लुप्त हो गई।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

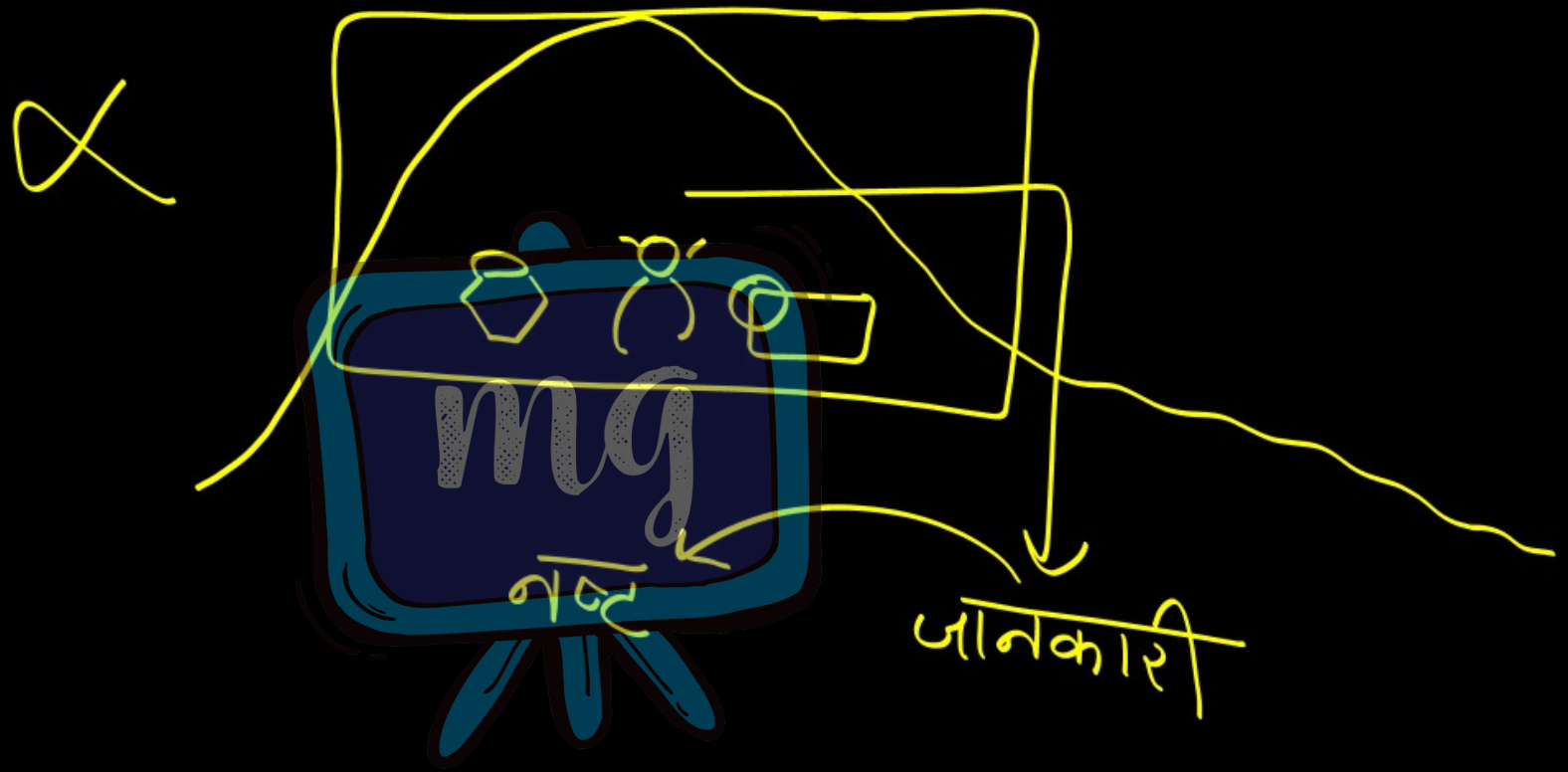

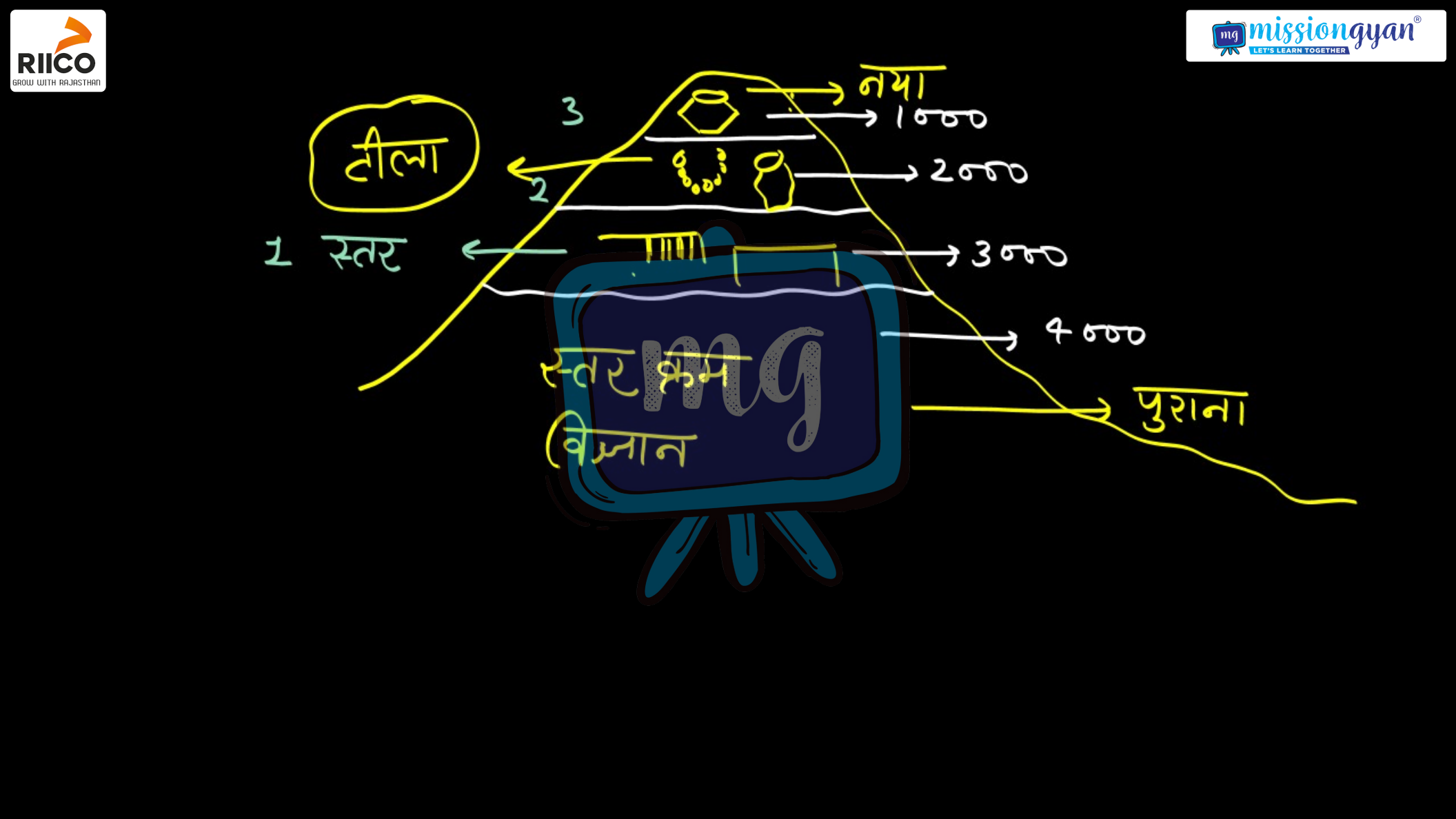
नया
1000
2000
3000
4000
पुराना
3
2
1 स्तर
टीला
स्तर क्रम
विज्ञान
mg

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



नयी तकनीकें तथा प्रश्न

- 1944 में आर.ई.एम. व्हीलर ने स्तर विन्यास आधारित खुदाई शुरू की।
- व्हीलर ने पुरातत्व में सैनिक परिशुद्धता का समावेश किया।
- विभाजन के बाद प्रमुख हड़प्पा स्थल पाकिस्तान में चले गए।
- भारतीय पुरातत्वविदों ने कालीबंगन, लोथल, राखीगढ़ी, और धौलावीरा की खोज की।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- कुछ पुरातत्वविद सांस्कृतिक उपक्रम तो कुछ भौगोलिक कारणों को समझने का प्रयास करते हैं।
- 1980 के बाद हड़प्पाई पुरातत्व में अन्तर्राष्ट्रीय रुचि बढ़ी।
- आधुनिक तकनीकों से मिट्टी, पत्थर, धातु, और जैव अवशेषों का अध्ययन किया जाता है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



- पुरातात्त्विक स्थल वस्तुओं और विचारों के निर्माण, उपयोग और त्याग से बनते हैं।
- लगातार एक स्थान पर रहने से भूमि के उपयोग से आवासीय टीले (टोला) बन जाते हैं।
- प्राकृतिक क्रियाओं (पानी, कटाव आदि) से भूमि का स्वरूप बदलता है।
- टीलों में मिले स्तरों से प्राचीन वस्तुएं मिलती हैं, जो आवास का इतिहास बताती हैं।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Layer

- प्रत्येक स्तर रंग, प्रकृति और वस्तुओं में भिन्न होता है। जिन स्तरों में ये लक्षण नहीं होते, उन्हें "वंवर सार" कहते हैं।
- सामान्यतः, सबसे निचला स्तर प्राचीनतम और ऊपरी नवीनतम होता है।
- इन स्तरों के अध्ययन को स्तरक्रम विज्ञान कहा जाता है।
- मिले पुरावस्तुओं से सांस्कृतिक काल-खण्डों का निर्धारण होता है।
- इससे पुरास्थल का पूरा सांस्कृतिक इतिहास जाना जा सकता है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

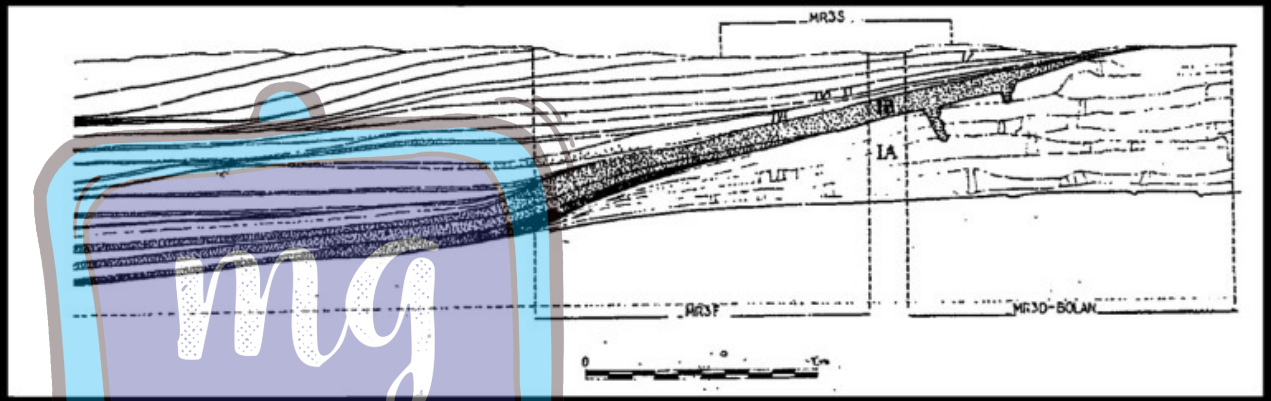

एक छोटे टीले का स्तरविन्यास ध्यान से देखने पर
पता चलेगा कि ये स्तर सदैव क्षैतिज नहीं हैं।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



अतीत को जोड़कर पूरा करने की समस्याएं

- हड़प्पाई लिपि से सभ्यता के बारे में जानकारी नहीं मिलती।
- जैविक सामग्री जैसे कपड़ा, लकड़ी, चमड़ा उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में सड़ जाते हैं।
- पत्थर, पकी मिट्टी, और धातु ही संरक्षित रहती हैं।
- अधिकांश वस्तुएं पुनः चक्रित की जाती थीं, और अनुपयोगी वस्तुएं ही फेंकी जाती थीं।

- बहुमूल्य वस्तुएं या तो पहले ही खोजी जा चुकी थीं या संग्रहण में थीं।
- कई खोजें प्रारूपिक न होकर संयोजिक थीं।



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

mg missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

खोजों के वर्गीकरण।

- पदार्थ
  - धातु, कपड़ा, तांबा
  - सेलखड़ी, सोने
- उपयोगिता
  - सिलाई
  - इस्तेमाल



कहाँ ? जगह

आज से जोड़ कर देखते

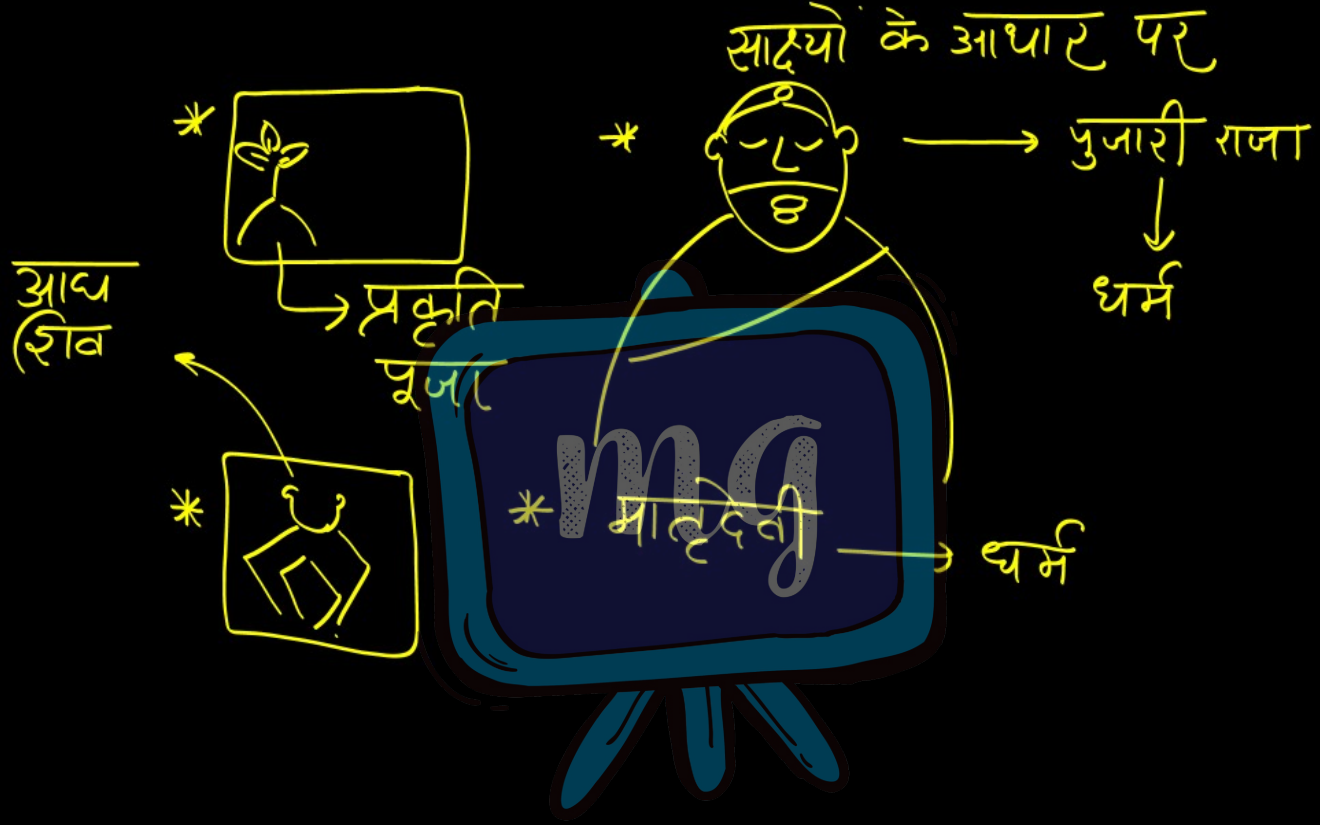
साक्ष्यों के आधार पर
पुजारी राजा
धर्म
प्रकृति पूजा
आद्य शिव
मातृदेवी
धर्म

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

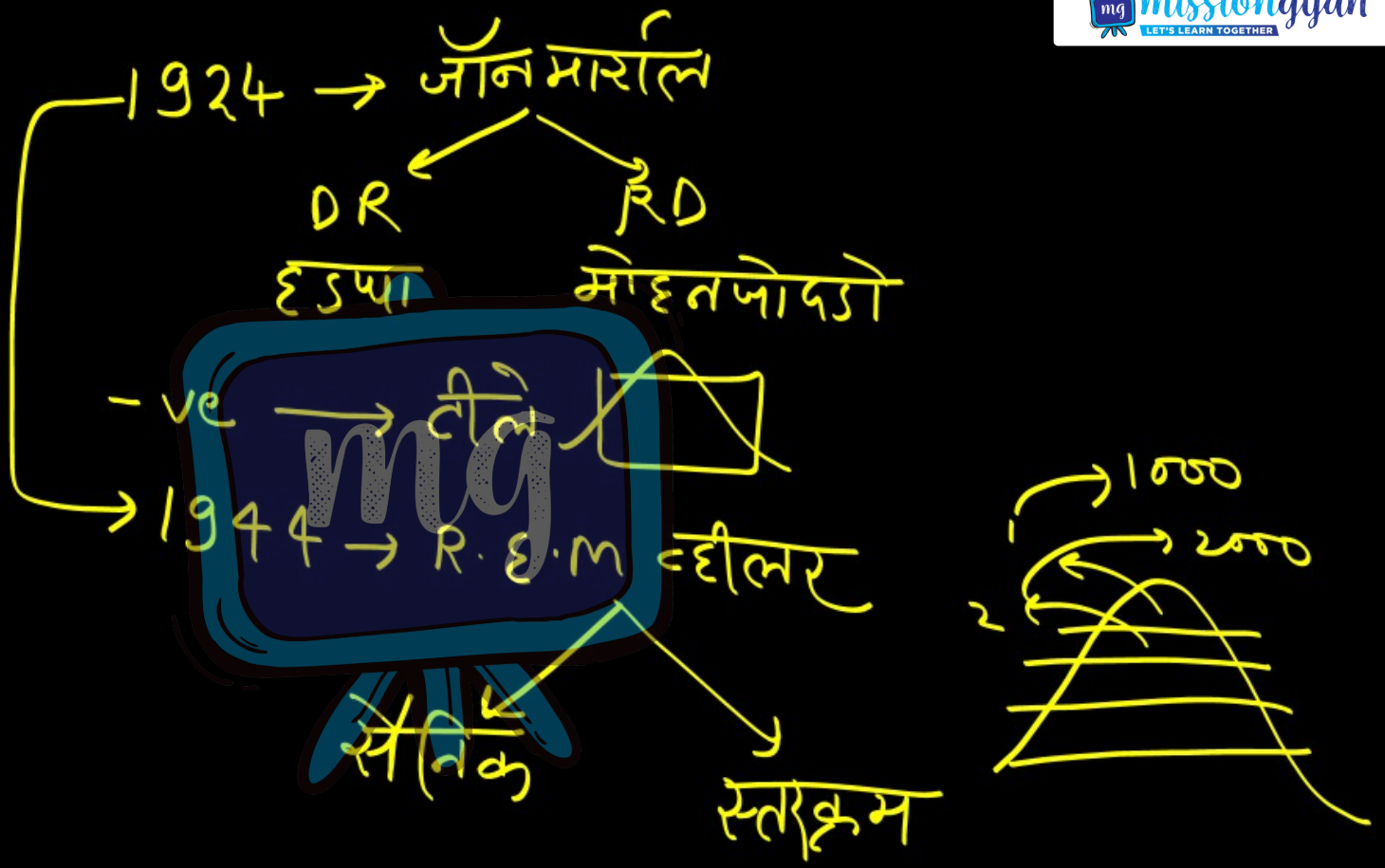

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

Q. जॉन मार्शल को योगदान

Q. R.E.M हीलर



Q. खोजों का वर्गीकरण किस प्रकार होता था?